PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : Though he has read it in English, he has written it in Devanagari script as a compromise !

(vii) Production and Screening of films relating to Independence Movement by Films Division

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अत्यन्त ही लोक महत्व के विषय की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। स्वतन्त्रता आन्दोलन से सम्बन्धित आगामी नवम्बर, 1984 तक फिल्म डिवीजन के द्वारा कुछ विशेष फिल्में तैयार की जा रही हैं। उन फिल्मों को मई और नवम्बर, 1984 के बीच सारे देश में प्रदर्शित किया जायेगा। इसके अलावा आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं सरकारी माध्यमों द्वारा इस संबंध में विशेष कार्यक्रम प्रकाशित किए जाएंगे। ज्ञातव्य है कि फिल्म डिवीजन में काफी पहले से ही स्वतन्त्रता आंदोलन से संबंधित दर्जनों फिल्में तैयार पड़ी है। इसलिए उन्ही विषयों पर करोड़ों रुपए खर्चा कर नई फिल्में बनाने का क्या औचित्य है। आम लोगों के दिमाग में यह सन्देह है कि इन फिल्मों एवं कार्यक्रमों का उपयोग आगामी चुनाव में सत्ताधारी दल द्वारा किया जायेगा। स्वतन्त्रता आन्दोलन में जिन लोगों ने भाग लिया था वे प्रायः सभी दलों से हैं। ऐसी स्थिति में स्वतन्त्रता आन्दोलन का इतिहास को तोड़े-मरोड़े जाने की सम्भावना है।

अतः सरकार से मांग है कि फिल्म रिलीज़ करने से पहले प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानियों एवं सभी दलों के नेताओं से राय ले ली जाए।

(viii) Financial assistance to farmers of Rajasthan whose crops were destroyed due to cold wave

श्री राजेश पायलट (भरतपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, अकस्मात् कारणों से और सर्दी की लहर जो कि राजस्थान में लम्बे अर्से तक रही, चने और सरसों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। गरीब किसानों ने बहुत बड़ी उम्मीदें की थीं लेकिन वे सभी आशाएं मिट्टी में मिल गईं। चने की फसल, खासकर राजस्थान के कुछ जिलों में तो बिल्कुल खत्म हो गई। बहुत दिनों के बाद राजस्थान में सरसों की फसल बढ़िया हुई थी, लेकिन इस शीत लहर ने भारी नुकसान पहुंचाया।

मेरी केन्द्र सरकार से प्रार्थना है कि वह उन गरीब किसानों को जिनका सहारा ये ही फसलें थीं, उनकी मदद के लिए कुछ उपाय सोचे। जैसे और प्रान्तों में केन्द्र सरकार ने ऐसे मौके पर केन्द्रीय सहायता दी है, उसी हिसाब से राजस्थान के किसानों को भी केन्द्रीय सहायता दी जाय।

(ix) Demand for more railway services for Bijnor

श्री मंगलराम प्रेमी (बिजनौर) : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से संसद का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र बिजनौर के मुख्यालय से लखनऊ, हावड़ा तथा इलाहाबाद से सीधी रेल सेवा की व्यवस्था के अभाव में वहां के निवासियों को होने वाली परेशानियों से अवगत कराने की ओर ले जाना चाहता हूं। कोई भी सीधी रेलगाड़ी लखनऊ, इलाहाबाद तथा हावड़ा तक बिजनौर होकर नहीं जाती है। क्षेत्रीय जनता की बराबर यह मांग रही है कि नजीबाबाद से होती हुई देहरादून से जो जनता एक्सप्रेस चलती है, उसको बिजनौर से गजरौला होते हुए मुरादाबाद को निकाल दिया जाए और वह फिर लखनऊ जाए या एक दूसरी रेलगाड़ी (एक्सप्रेस या पैसेन्जर) बिजनौर से लखनऊ तक चलाई जाए जो लखनऊ से दिल्ली के मध्य की सवारियों को सुविधाजनक हो। नहीं तो कम से कम दो डिब्बे बिजनौर से नजीबाबाद तक और दो डिब्बे बिजनौर से गजरौला तक लखनऊ मेल में लगवाये जायें और देहरादून से हावड़ा जाने वाली 10 डाउन में जोड़े जायें—जो एक प्रथम श्रेणी एवं एक द्वितीय श्रेणी का हो।

नजीबाबाद, बिजनौर और नगीना रेलवे स्टेशनों के पास रेलवे फाटकों के पास सड़कों के ऊपर ओवर ब्रिज बनाने की भी अत्यधिक यातायात से होने वाली दुर्घटनाओं एवं चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करने की दिशा में अत्यावश्यक है।